हज़ारा ब्राह्मण बिरादरी संगठन (पंजिकृत)

नजफगढ़, नई दिल्ली–110043

सूचना पत्र संख्या : 04 दिनांक 19.04.2013

मासिक बैठक :– HBBS की प्रबन्धक समिति की अप्रैल–2013 मास की मासिक बैठक दिनांक 14/04/2013 को शाम 5:30 बजे श्री राजेष शर्मा के कार्यालय, गऊषाला रोड़, नजफगढ़ में कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।

उपस्थित सदस्यों ने :–

1. मार्च मास–2013 की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया।
2. मार्च मास–2013 के लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

स्थाई दान :– निम्नलिखित बहन–भाईयों ने विधवा बहनों, जरूरतमंदों एवं षिक्षा के लिए श्रद्वापूर्वक स्थाई रूप से आर्थिक सहायता भेंट की। इन दानदाताओं का प्रबन्धक समिति आभार प्रकट करती है।

1. श्री राजकुमार ऋषि, सोम बाजार, नजफगढ़, मार्च मास	500/– रू.
2. श्री पवन कुमार पराषर, कृष्ण मन्दिर, नजफगढ़, मार्च मास	250/– रू.
3. श्री अजीत कुमार पराषर, रोषनपुरा, नजफगढ़, मार्च मास	250/– रू.
4. श्री सुभाषचन्द ऋषि, रोषनपुरा, मार्च मास	300/– रू.
5. श्री चरणजीत लाल पराषर, रोषनपुरा, नजफगढ़, मार्च मास	250/– रू.
6. श्रीमती सरनी देवी ईसर रोषनपुरा, मार्च	500/– रू.
7. श्री सवारी लाल ऋषि, रोषनपुरा, नजफगढ़ मार्च मास	101/– रू.
8. श्रीमती यशोदा ऋषि, रोषनपुरा, मार्च मास	101/– रू.
9. श्री कमल शर्मा, धर्मपुरा, मार्च मास	500/– रू.
10.श्री अरूण वषिष्ठ, धर्मपुरा, मार्च मास	202/– रू.
11.कुमारी निषा पराषर, नजफगढ़ मार्च मास	202/– रू.
12.श्रीमती सुदेष रानी शर्मा, धर्मपुरा जनवरी से मार्च	1500/–रू.
13.श्रीमती शान्ति देवी पराषर, रोषनपुरा, मार्च मास	100/– रू.
14.श्री केवल कृष्ण पराषर, रोषनपुरा, मार्च मास	101/– रू.
15.श्री सौरभ पांदा, रोषनपुरा, मार्च मास	151/– रू.
16.श्री जितेन्द्र सूदन, रोषनपुरा, मार्च मास	101/– रू.
17.श्री राजीव ऋषि, रोषनपुरा जनवरी से मार्च	1500/– रू.
18.श्री प्रीतम ऋषि, धर्मपुरा, फरवरी एवं मार्च	500/– रू.
19.श्री संजय भारद्वाज, नजफगढ़ फरवरी एवं मार्च	600/– रू.
20.श्री धर्मपाल पराषर, रोषनपुरा, फरवरी एवं मार्च	600/– रू.
21.श्री शषि कुमार शर्मा, रोषनपुरा वर्ष–2012	2230/– रू.

दुःखद समाचार : – निम्नलिखित बहनों के निधन पर प्रबन्धक समिति ने दौ मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी एवं परिवार के प्रति दुःख प्रकट किया।

(1) श्रीमती शांति देवी रणयाल धर्मपत्नी स्व0 ईषरदास रणयाल, रोषनपुरा का निधन दिनांक 18/03/2013 को हो *गया। इनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना के लिए इनके भतीजे श्री प्रीतम ऋषि जी ने HBBS विधवा कोष में 100/– दान दिये।*

(2) श्रीमती तीर्थो देवी धर्मपत्नी स्व0 दौलतराम ईसर, नजफगढ़ का निधन दिनांक 21/03/2013 को हो गया। इनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना के लिए पुत्र श्री भगवत स्वरूप ईसर जी ने HBBS विधवा कोष में 100/– रू. दान दिये।

(3) श्रीमती राम चमेली धर्मपत्नी स्व0 हंसराज शर्मा, छछरौली, जिला यमुना नगर का निधन दिनांक 30/03/2013 को हो गया।

(4) श्रीमती तितरावन्ती धर्मपत्नी स्व0 देवी दयाल, गांव धनकौर, जिला अंबाला, का निधन दिनांक 02/04/2013 को हो गया।

...2...

(5) श्रीमती परमेष्वरी देवी धर्मपत्नी स्व0 पिन्नू लाल ईसर, नजफगढ़, का निधन दिनांक 08/04/2013 को हो गया। इनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना के लिए परिवार वालो ने HBBS विधवा कोष में 100/– रू. दान दिये।

(6) श्री चिरंजी लाल ईसर, नजफगढ़ का निधन दिनांक 09/04/2013 को हो गया। इनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना के लिए पुत्र सुरेन्द्र कुमार ईसर जी ने HBBS विधवा कोष में 100/– रू. दान दिये।

<u>जन्मदिन की बधाई</u> :– निम्नलिखित बहन–भाईयों ने अपने एवं परिवार के सदस्यों के जन्मदिन पर HBBS कोष में दान राषि भेंट की। इन बहन–भाईयों के उदारतापूर्वक दान का धन्यवाद।

(1) श्रीमती मेघा शर्मा धर्मपत्नी श्री पुनीत शर्मा धर्मपुरा का जन्मदिन दिनांक 23/02/2013 को मनाया गया। इस शुभ अवसर पर श्रीमती सुषील शर्मा (दादी सास) ने 101/– रूपये दान दिये। बधाई एवं धन्यवाद।

<u>नवजात षिषु की बधाई</u> :– दिनांक 23/02/2013 को पुत्र अनमोल भारद्वाज ने श्रीमती परीषा एवं श्री बंटी भारद्वाज नजफगढ़ के घर जन्म लिया। इस शुभ अवसर पर नाना श्री देवेन्द्र गोस्वामी जी ने HBBS कोष में 151/– रू0 दान दिए। बधाई एवं धन्यवाद।

<u>पदधारियों के चुनाव</u> :– HBBS की प्रबन्धक समिति के पदाधारियों के चुनाव दिनांक 05/05/2013 को शाम 5.00 बजे बैठक स्थान पर होंगे। प्रबन्धक समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि चुनाव में सभी सदस्य उपस्थित हों।

<u>वित्तीय सलाहकार समिति की बैठक</u> :– दिनांक 14/04/2013 को HBBS की वित्तीय सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में इस समिति ने आर्थिक सहायता के लिए विधवा बहनों एवं जरूरतमंद बहन–भाईयों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर गौर किया। समिति ने निम्नलिखित बहन–भाईयों को दिनांक 01/04/2013 से 31/03/2014 तक 400/– रूपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता देने के लिए HBBS की प्रबन्धक समिति को अपनी सिफारिष दी जो बैठक में सर्व सम्मति से मान ली गई।

<u>पहले से आर्थक सहायता प्राप्तकर्त्ता</u>	**विधवा बहनें**	**जरूतमंद बहन/भाई**	**कुल**
() दिल्ली राज्य	5	1	6
(इ) जिला यमुना नगर	1	2	3
<u>नये प्रार्थना पत्र</u> :–			
जिला अलवर	1	–	<u>1</u>
		कुल योग	<u>10</u>

<u>ट्रस्ट का विवरण</u> :– आश्रयहीन विधवा बहनों, जरूरतमंदों एवं षिक्षा के लिए आर्थिक सहायता करने हेतु बिरादरी के हितेषी बहन–भाईयों ने अपने प्रियजनों की मधुर स्मृति में इनके नाम से हज़ारा ब्राह्मण बिरादरी संगठन में ट्रस्ट

खोल रखे हैं जिनका विवरण पृष्ठ 3 पर है। आप भी इस भलाई के कार्य के लिए अपने प्रियजनों की मधुर स्मृति में 5000/– रूपये अथवा अधिक का ट्रस्ट खोल सकते हैं।

<u>प्रबन्धक समिति में सदस्य की नियुक्ति</u> :– दिनांक 19/08/2012 की HBBS की आम बैठक के प्रस्ताव नं.–1 के अंतर्गत HBBS की प्रबन्धक समिति की मासिक बैठक दिनांक 14/04/2013 को प्रबन्धक समिति ने श्री मदनलाल पराषर जी जो काफी समय से अस्वस्थ चले आ रहे हैं, के स्थान पर डॉ0 गुरचरण सिंह ईसर नजफगढ़ को पूरे बहुमत से HBBS की प्रबन्धक समिति का सदस्य मनोनीत किया।

<u>मई–2013 मास की बैठक की सूचना</u> – मई–2013 मास की बैठक दिनांक 05/05/2013 को शाम 5.00 बजे HBBS कार्यालय गऊषाला रोड़, नजफगढ़ में होगी। प्रबन्धक समिति के सदस्यों से प्रार्थना है कि वे बैठकों में अवष्य पधारें।

ले. कर्नल (सेवानिवृत्त) बी.के.एल. छिब्बर
सेक्रेटरी जनरल
<u>अनमोल ज्ञान</u>
<u>चिंता रहित सुखी जीवन की कुंजी</u>
द्वारा
ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर

भारत वर्ष में उच्च कोटि के संतों ने जन्म लिया है। इन महान संतों में से एक थे संत ज्ञानेष्वर। एक बार विदेष में उनसे किसी ने पूछा कि वह कहां के रहने वाले हैं। उत्तर में संत ज्ञानेष्वर ने कहा कि पूरा विष्व मेरा घर है और हर जीवधारी मेरे परिवार का सदस्य है। यह उत्तर सुनकर वह विदेषी चकित रह गया और संत ज्ञानेष्वर जी को अतिथि के रूप में अपने घर ले गया। कहते हैं कि वह विदेषी परिवार संत ज्ञानेष्वर जी से इतना प्रभावित हुआ कि पूरा परिवार संत जी का अनुयायी बन गया। यह थी हमारी भारतीय संस्कृति की महानता एवं मानवता का प्रभाव।

मानव जाति के समुदाय की सबसे छोटी इकाई परिवार होती है। फिर परिवारों से समाज व देष बनते हैं। देषों के समूह से विष्व कहलाता है। संत ज्ञानेष्वर ब्रह्म के निकट थे और हर प्राणी और स्वयं में ईष्वर को देखते थे। अतः सब जीवधारियों को अपने परिवार का सदस्य मानते एवं उनसे प्रेम करते थे। भगवान श्रीकृष्ण जी ने भी गीता उपदेष में कहा है कि ''मैं परमात्मा कण–कण में हूँ और हर प्राणी के अंदर मुझे ही देखो।'' आगे कहा है कि वह भगत मुझे अति प्रिय है जो सब जीवों में मुझको देखता है और किसी से द्वेष, ईष्या एवं दुष्टता का व्यवहार नहीं करता। यदि इन तथ्यों की सच्चाई को हम मानकर चलें तो हमें ज्ञान मिलेगा कि हम सब में ईष्वर का अंष है। अतः हम सब प्राणी एक समान और एक ही है। गुरू गोविन्द सिंह जी ने भी कहा है कि ''मानस की जात सभै एके मानबो।''

मेरे उपरोक्त लेख लिखने का उद्देष्य है कि जब हम सब में परमात्मा का अंष है तब तो एक–दूसरे के प्रति हमारा व्यवहार नम्रतापूर्वक एवं आदर सहित होना चाहिए। परन्तु सच्चाई यह है कि जीवन में लगातार बढ़ती इच्छाओं और अपने स्वार्थ की पूर्ति के जाल में फंसे होने के कारण हम अपना मानसिक संतुलन खो देते हैं और फलस्वरूप हमारे अंदर क्रोध, लोभ, अंहकार, ईर्ष्या एवं द्वेष जैसे अवगुणों का प्रभाव प्रबल हो जाता है। यही मानव जाति के सबसे बड़े शत्रु हैं जो ईष्वर ही नहीं अपितु हमें समाज में भी आपस में एक–दूसरे से दूर रखे हुए हैं। यदि हम अपने परिवार एवं समाज की भलाई एवं प्रगति चाहते हैं तो **<u>हम दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा व्यवहार हम उनसे अपने लिए चाहते हैं</u>**। संसार में हम सब एक ही रूप में आते हैं और संसार से जाने के समय सबकुछ यहीं छोड़कर एक ही रूप में चले जाते हैं। फिर आपस में भेदभाव, द्वेष एवं ईर्ष्या किस बात की?

उपरोक्त अवगुण रूपी दुष्ट शत्रुओं से मुक्ति पाने के लिए आओ विनम्र होकर और सब मिलकर विनम्र भाव से अपने समाज की निस्वार्थ सेवा करें और जरूरतमंदों की जरूरतों को पूरा करने में दूसरों को सहयोग दें। ऐसे धमार्थ कार्य

करने तथा आपस में मानवता का व्यवहार करने से ही हमारे परिवार एवं समाज का भविष्य उज्ज्वल होगा। ऐसा करने से जीवन की यह यात्रा हमें घृणा से लौकिक प्रेम, द्वेष से सिद्दी, भिन्नता से एकता तथा पीड़ा से परम सुख की ओर ले जाएगी।

ले. कर्नल बी.के.एल. छिब्बर
सेक्रेटरी जनरल
1253–ए–1, नजदीक कृष्ण मन्दिर,
नजफगढ़, नई दिल्ली–110043
मो. 9210869406, 011–25012484